MP Board Class 7th Hindi Bhasha Bharti Notes Chapter 19 ज्ञानदा की डायरी

ज्ञानदा की डायरी परीक्षोपयोगी गद्यांशों की व्याख्या

1. खेल हम सिर्फ जीतने या मनोरंजन के लिए नहीं खेलते। खेल हमें अनुशासन, धैर्य, सहिष्णुता, उदारता और हार-जीत को समान रूप से लेने का गुण सिखाते

सन्दर्भ-प्रस्तुत पंक्तियाँ ज्ञानदा की डायरी' नामक पाठ से अवतरित हैं। इस पाठ को डायरी शैली में लिखा गया है।

प्रसंग-किसी भी खेल के खिलाड़ियों में खेल भावना का होना आवश्यक है।

व्याख्या-किसी भी खेल को जीत प्राप्त कर लेने अथवा एक विशेष मनोरंजन से मानसिक तनाव को न होने देने के लिए ही नहीं खेलते। खेल खेलने से हमारे अन्दर अनुशासन एवं धीरज रखने की भावना उत्पन्न होती है। इन्हीं दोनों गुणों से मनुष्य अपने जीवन को कुछ हद तक सफलता की सीढ़ी तक पहुँचा देता है। इन गुणों के अलावा हमारे अन्दर सहनशीलता, उदारता, (सभी को अपना ही मानने का गुण) हमारे अन्दर विकसित होने लगते हैं। खेल में हार हो अथवा जीत-इस हार-जीत को समान रूप से समझना चाहिए। इस प्रकार, ऊपर बताये गये अनेक गुण इन खेलों के खेलने से हम सीख जाते हैं।

2. मैच के बाद, मेरी कोच ने मेरी सूझ-बूझ और तत्काल
निर्णय लेने के लिए मेरी तारीफ की। तारीफ सुनकर मुझे
बड़ा संकोच हुआ। खेल तो मिल-जुलकर ही खेला जाता
है। व्यक्तिगत उपलब्धि से अधिक दल का हित सर्वोपरि होता है।

सन्दर्भ-पूर्व की तरह।

प्रसंग-प्रत्येक तरह के खेल में खिलाड़ियों के मेल-जोल से ही सफलता मिलती है।

व्याख्या-खेल में जीत पाकर खुशी हुई। खेल के बाद हम आगे चले, तो लेखिका की प्रशिक्षिका ने बताया कि खेल में उसी की सूझ-बूझ से सफलता मिली थी तथा जो निर्णय लेखिका ने उस क्षण लिया, वह बहुत ही अच्छा था, लाभकारी था। इस प्रकार प्रशिक्षिका ने लेखिका की प्रशंसा की। प्रशिक्षिका को अपनी तारीफ करते हुए सुन लेखिका को संकोच होने लगा। सही स्वभाव का व्यक्ति अपनी प्रशंसा सुनकर कभी भी घमण्डित नहीं होता, वह तो संकोच ही करता है। सभी खिलाड़ी अपने-अपने दायित्व को टीम में रहकर निभाते हैं। पूरा दल (टीम) सामूहिक जिम्मेदारी निभाता है, तो सफलता मिलती ही है। एक खिलाड़ी यदि व्यक्तिगत सफलता के लिए ही कार्य करता है तो सफलता प्राप्त होने में सन्देह रहता है।

शब्दकोश

ख्याति = प्रसिद्धि स्पर्धा = होड़; नर्तक = नाचने वाला; उद्बोधन = बोलना, सम्बोधन; मुँह अंधेरे = सुबह के पहले का समय जब अँधेरा रहता है; चयन = चुना जाना, चुनाव में चुने जाने की प्रक्रिया; पंक्ति = कतार; मुताबिकअनुसार।